3
दशरथ के दो वरदान

अयोध्या में आनंदोत्सव[1] का वातावरण कई दिनों तक बना रहा। राजा दशरथ और उनकी तीनों रानियों की प्रसन्नता चरम सीमा पर थी। अब राजा दशरथ की इच्छा राम का राज्याभिषेक[2] करने की थी। अत: वे उन्हें युवराज का पद देने के लिए धीरे-धीरे राज-काज की बातें समझाने लगे और समय-समय पर राज-काज की ज़िम्मेदारियाँ भी सौंपने लगे। राम भी बड़ी सूझ-बूझ से सारे उत्तरदायित्व निभाने लगे। विद्वता और पराक्रम उनमें कूट-कूटकर भरा था। प्रजा उनसे बहुत प्यार करती थी। उनके दीर्घायु[3] होने की कामना करती थी। राजा दशरथ तो उन्हें अपने प्राणों से भी अधिक प्यार करते थे। राजदरबार में उनकी जय-जयकार होने लगी। अपने सुकर्मों से उन्होंने सबका मन जीत लिया। सभी उन्हें सम्मान की दृष्टि से देखने लगे।

राजा दशरथ की आयु ढलने लगी थी। उनके अंगों में बुढ़ापे की शिथिलता आने लगी थी। अब राज-काज चलाना उनके लिए भारी पड़ रहा था। अत: काफ़ी सोच-विचार कर उन्होंने वशिष्ठ मुनि को राम को राज्य का कार्यभार सौंपने की बात बताई। वशिष्ठ मुनि को इसमें कोई आपत्ति नहीं थी। उन्होंने तुरंत स्वीकृति दे दी। तत्पश्चात् राजा दशरथ ने दरबार में इस बात की चर्चा की। उन्होंने कहा, "मैं वृद्ध होने लगा हूँ। राज्य का कार्यभार अब राम को सौंपना चाहता हूँ। अगर आप सब को इसमें कोई आपत्ति नहीं है, तो राम को शीघ्रातिशीघ्र युवराज का पद दे देना श्रेयस्कर[4] होगा। लेकिन अगर आप मेरे निर्णय से संतुष्ट या सहमत नहीं हैं तो नि:संकोच[5] बताएँ, मैं उस पर विचार करूँगा।"

दरबार में जितने भी लोग उपस्थित थे, सब ने राजा के निर्णय का खुलकर स्वागत किया। सब ने यही इच्छा जताई कि राम का अविलंब[6] राज्याभिषेक हो जाए। चारों ओर राम की जय-जयकार होने लगी। राजा दशरथ के चेहरे पर संतुष्टि की लकीरें दिखने लगीं। उन्होंने खुशी-खुशी अगले दिन सुबह राम का राज्याभिषेक करने की घोषणा कर दी। अयोध्या नगरी में यह समाचार क्षण भर में फैल गया। सभी प्रसन्न थे, सभी संतुष्ट थे। समय अधिक नहीं बचा था। अत: राज्याभिषेक की तैयारियाँ ज़ोर-शोर से होने लगीं।

उस समय भरत अपने भाई शत्रुघ्न के साथ अपने नाना केकयराज के घर गए हुए थे। केकयराज भरत को कुछ और दिनों तक अपने पास रखना चाहते थे। अत: जब भी भरत अयोध्या लौटने की बात करते, नाना उन्हें किसी-न-किसी तरह रोक लेते। भरत अयोध्या की घटनाओं से बिलकुल अनभिज्ञ[7] थे। उन्हें इस बात की बिलकुल जानकारी नहीं मिली कि दूसरे दिन सुबह-सुबह उनके ज्येष्ठ भाई राम का राज्याभिषेक होगा। केकय

Scanned with OKEN Scanner

संभालते तो कैकेयी को समझाने का प्रयास करते। लेकिन कैकेयी नरम नहीं पड़ीं। वह बार-बार अपने निर्णय को दोहराती रहीं। इस तरह रात बीत गई। ऐसी मनहूस[23] सुबह महाराज ने कभी नहीं देखी थी।

कठिन शब्दार्थ

1. आनंदोत्सव–खुशी भरा उत्सव। 2. राज्याभिषेक–राजगद्दी पर बैठाने की एक प्रक्रिया। 3. दीर्घायु–लंबी आयु। 4. श्रेयस्कर–मंगलकारी। 5. निःसंकोच–बिना संकोच किए। 6. अविलंब–बिना समय गँवाए, तुरंत। 7. अनभिज्ञ–अनजान, अपरिचित। 8. आयोजन–समारोह। 9. षड्यंत्र–साजिश। 10. अहित–बुराई, हानि। 11. विचलित–अस्थिर। 12. पराक्रमी–शूरवीर। 13. निष्कंटक–बाधा रहित, आपत्ति रहित। 14. हितैषी–हमदर्द। 15. रनिवास–रानियों के रहने का स्थान। 16. कोपभवन–वह मकान या कमरा जिसमें कोई रूठी हुई स्त्री या नायिका जाकर बैठे। 17. अनायास–अचानक। 18. प्रतिहारी–द्वारपाल। 19. उद्विग्न–परेशान, खिन्न। 20. चेतनाशून्य–अचेतन। 21. अडिग रहना–टिके रहना। 22. संज्ञाशून्य–बेहोश। 23. मनहूस–अभागा, अशुभ।

अभ्यास कार्य

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए :

1. राजा दशरथ ने वशिष्ठ मुनि को राम को कौन-सी ज़िम्मेदारी देने की बात बताई?
2. राम के राज्याभिषेक की तैयारियों के समय भरत और शत्रुघ्न कहाँ गए हुए थे?
3. मंथरा को राजमहल में चल रही तैयारियों के कारण की सही जानकारी किससे मिली?
4. मंथरा के मुख से राम के राज्याभिषेक की खबर सुनकर शुरू में कैकेयी को कैसा लगा?
5. अपनी बात मनवाने के लिए कैकेयी किस भवन में जाकर बैठ गई?
6. वर माँगने से पहले कैकेयी ने राजा दशरथ को किसकी सौगंध खाने के लिए कहा?
7. माँगे गए वर पूरे न करने पर कैकेयी ने क्या करने की धमकी दी?

II. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दीजिए :

1. राजा दशरथ राम को अयोध्या का युवराज क्यों बनाना चाहते थे? उनमें युवराज बनने के कौन-कौन से गुण थे?
2. मंथरा ने कैकेयी को किस प्रकार उकसाया? उसके क्या परिणाम हुए?
3. कैकेयी ने राजा दशरथ से कौन-से दो वर माँगे? और क्यों?
4. क्या दशरथ ने कैकेयी को दोनों वर खुशी-खुशी दिए? अगर नहीं, तो क्यों?
5. कैकेयी की बातों का दशरथ पर क्या प्रभाव पड़ा? उनकी दशा का वर्णन कीजिए।

अमूल्य शिक्षाएँ

- **किसी के बहकावे में नहीं आना चाहिए।**
- **बिना विचार करे कार्य करने वाले को बाद में पछताना ही पड़ता है।**

Scanned with OKEN Scanner

4
राम का वन जाना

अयोध्या नगरी में आनंद उल्लास[1] का वातावरण था। सभी लोग खुशियों से सराबोर थे और राम के राज्याभिषेक की तैयारियों में जुटे थे। किसी को कानों-कान पता नहीं था कि रानी कैकेयी के कोपभवन में क्या कुछ चल रहा है। रानी अपनी ज़िद पर अड़ी थीं। महाराज उन्हें समझाने का व्यर्थ प्रयास किए जा रहे थे। राजमहल की चहल-पहल का यहाँ नामोनिशान नहीं था। धीरे-धीरे राज्याभिषेक का समय निकट आने लगा। वशिष्ठ मुनि बहुत व्यस्त थे। बहुत बड़ा आयोजन होने वाला था। सबको खुशी थी कि उनके चहेते राम अयोध्या की राजगद्दी पर बैठेंगे।

राज्याभिषेक की सारी तैयारियाँ अपनी पूर्णता पर थीं। शुभ घड़ी काफ़ी निकट थी, लेकिन राजा दशरथ कहीं दिखाई नहीं दे रहे थे। कल शाम से ही उन्हें किसी ने नहीं देखा था। महामंत्री सुमंत्र को दाल में कुछ काला नज़र आया। अपनी असहजता[2] को वे छिपा नहीं पाए और महर्षि वशिष्ठ के पास जाकर उनसे इस बारे में चर्चा की। महर्षि को भी यह बात समझ में नहीं आ रही थी। "आखिर महाराज हैं कहाँ? ऐसी शुभ घड़ी में वे कहाँ चले गए?" महर्षि ने जैसे अपने-आप से पूछा और सुमंत्र को इस निर्देश के साथ राजभवन भेजा कि महाराज यथाशीघ्र पधारें ताकि राज्याभिषेक का आयोजन शुरू हो।

सुमंत्र राजभवन की ओर चल पड़े। सबसे पहले वे रानी कैकेयी के महल में पहुँचे। महल की सीढ़ियाँ चढ़ते ही वे एक अनजान भय से काँप उठे। उन्हें लगा कि कहीं-न-कहीं कुछ गड़बड़ी अवश्य है। वे अंदर पहुँचे। अपने महाराज को एक दीनहीन प्राणी के रूप में पलंग पर पड़े देख वे अवाक्[3] रह गए। उन्हें समझ में नहीं आया कि आखिर महाराज पर कौन-सी विपदा आ पड़ी है। उन्होंने पूछना चाहा, लेकिन इसके पहले ही कैकेयी बोल पड़ीं, "महामंत्री सुमंत्र, चिंतित होने की आवश्यकता नहीं है। सब कुछ ठीक-ठाक है। वास्तव में महाराज राज्याभिषेक को लेकर इतने खुश हैं कि रातभर उनको नींद नहीं आई। यहाँ पर वे अभी तक इसलिए पड़े हैं क्योंकि वे राम की प्रतीक्षा कर रहे हैं। राम से बात करने के बाद वे स्वयं यहाँ से बाहर निकल जाएँगे।"

"बात? कैसी बात महारानी? राज्याभिषेक की घड़ी निकट आ गई है," महामंत्री सुमंत्र ने चौंकते हुए पूछा।

Scanned with OKEN Scanner

कठिन शब्दार्थ

1. उल्लास–खुशी। 2. असहजता–कठिनता। 3. अवाक्–चकित, मौन। 4. आशंकित–जिसकी शंका हो, भयभीत 5. रुष्ट–नाराज़। 6. संयत–रोका हुआ। 7. वन-गमन–वन को जाना। 8. हतप्रभ–शिथिल, निस्तेज। 9. कौंधना–बिजली-सा चमकना। 10. वचनबद्ध–ज़ुबान का पक्का। 11. वल्कल वस्त्र–वृक्ष की छाल और पत्तों से बने वस्त्र 12. निषादराज–एक पुरानी अनार्य जाति का राजा।

अभ्यास कार्य

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए :

1. राजा दशरथ के महामंत्री का क्या नाम था?
2. क्या राम को कोपभवन के घटनाक्रम की भनक थी?
3. रानी कौशल्या को भरत के राजतिलक और राम के वनवास की बात किसने बताई?
4. वन-गमन के बारे में राम और लक्ष्मण की क्या सोच थी?
5. वन जाने से पहले राम, सीता और लक्ष्मण ने कौन से वस्त्र पहने?
6. सीता को तपस्विनी के वेश में देखकर कौन आग-बबूला हो उठे?
7. राम के रथ के पीछे कौन दौड़ रहे थे?
8. राम, सीता और लक्ष्मण को लेकर सुमंत्र का रथ संध्या होते-होते किस नदी के निकट पहुँच गया था?
9. राम, सीता और लक्ष्मण के शृंगवेरपुर पहुँचने पर उनका स्वागत किसने किया?
10. राम के वन-गमन के कितने दिन बाद दशरथ ने प्राण त्याग दिए?
11. भरत को बुलाने के लिए घुड़सवार दूत को कहाँ भेजा गया?

II. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दीजिए :

1. जिस समय अयोध्या में राम के राज्याभिषेक की तैयारियाँ चल रही थीं उस समय राजा दशरथ कहाँ थे और क्यों?
2. जब महामंत्री सुमंत्र राजा दशरथ को खोजते हुए कैकेयी के कोपभवन में पहुँचे तो कैकेयी ने उनसे क्या कहा?
3. वह कौन-सी बात थी जिसे राम से कहने में दशरथ हिचकिचा रहे थे? राम से वह बात किसने कही? राम की उसकी क्या प्रतिक्रिया हुई?
4. राम के साथ लक्ष्मण और सीता वन में क्यों जाना चाहते थे?
5. राम के वन-गमन की बात सुनकर कौशल्या पर क्या बीती? उनकी दशा का वर्णन पाँच वाक्यों में कीजिए।
6. राम के वन-गमन के समय प्रजा की दुखी दशा का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

अमूल्य शिक्षाएँ

- **विधि के विधान को कोई नहीं टाल सकता।**

Scanned with OKEN Scanner

4 खेल

पाठ-योजना

पाठ का नाम	खेल
कालांश संख्या	4 से 8
शिक्षण प्रक्रिया	Student Led
पाठ का उद्देश्य	• बच्चों में लगन, हौसलों की उड़ान, आत्मविश्वास, मेहनत, जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण की भावना विकसित करना। • कमियों, शिकायतों, मुसीबतों के बावजूद जिंदगी जीना सिखाना। • जीवन में माता-पिता और गुरु के महत्व को समझाना। दिव्यांगों की भावनाओं का सम्मान करना सिखाना। • पाठ का भावानुसार वाचन सिखाना। कठिन शब्दों का शुद्ध उच्चारण और अर्थ सिखाना। • विलोम शब्द, कारक भेद, वचन मुहावरे, संबंधबोधक अव्यय आदि व्याकरणिक बिंदुओं की पहचान और प्रयोग सिखाना। विविध गतिविधियों द्वारा सृजनात्मक क्षमता का विकास करना।
पाठ में आने वाले विषय	• विलोम शब्द, कारक भेद, वचन, मुहावरे, संबंधबोधक अव्यय, अनुच्छेद-लेखन, संवाद-लेखन पी.पी.टी. निर्माण, ई-मेल-लेखन
शिक्षण सामग्री	Smart Board and animation, पाठ्यपुस्तक, Websupport (Worksheets), कॉपियाँ, पेंसिल आदि।
मानक/अमानक शब्द	हड्डी/हड्डी, परंतु/परन्तु, प्रसन्न/प्रसन्न
आरंभ— चर्चा एवं समूह वाचन, कौशल—पठन, वाचन-श्रवण	• पाठ के शीर्षक और चित्रों पर बच्चों को चर्चा करने दें-पाठ के शीर्षक से इसकी विषयवस्तु के बारे में क्या पता चलता है? पहले चित्र में दिखाया गया दृश्य कहाँ का है? इसमें क्या हो रहा है? तीसरे चित्र में किसका चित्र है? उनको इनाम क्यों मिला होगा? आदि। बच्चों से उनके प्रिय खेल और खिलाड़ी के विषय में बताने के लिए कहें। Smart Board पर पाठ का एनिमेशन दिखाएँ और वाचन सुनवाएँ। पाठ का सार बताएँ और छोटे-छोटे समूहों में पाठ का वाचन करवाएँ। • वाचन करते समय कठिन प्रतीत होने वाले शब्दों के अर्थ एवं विशिष्ट प्रयोग से छात्रों को अवगत कराएँ। • प्रसिद्ध दिव्यांग खिलाड़ियों और पैरालंपिक खेल के बारे में बताएँ तथा youtube पर पैरालंपिक खेल की कुछ झलकियाँ दिखाएँ। • पाठ की प्रासंगिकता के बारे में बच्चों को चर्चा करने दें। उनके विचार जानें और अपने भी विचार रखें।

Scanned with OKEN Scanner

अभ्यास

पढ़िए

1. **मानक वर्तनी एवं वाचन (उच्चारण)**

दिए गए शब्दों की शुद्ध वर्तनी कक्षा में बोर्ड पर लिखवाएँ या कॉपी में लिखने को कहें। शब्दों का कक्षा में शुद्ध उच्चारण करवाएँ।

2. **बताइए**

क. निरंजन किस बीमारी से पीड़ित थे? उनकी पहली सर्जरी कब हुई?

उ. निरंजन 'स्पाइना बिफ़िडा' नामक बीमारी से पीड़ित थे। महज छह महीने की उम्र में उनकी पहली सर्जरी हुई।

ख. डॉक्टरों ने निरंजन को क्या करने की सलाह दी?

उ. डॉक्टरों ने निरंजन को तैराकी करने की सलाह दी।

ग. सन 2012 में निरंजन ने किस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में पदक जीता?

उ. सन 2012 में निरंजन ने आइडीएम जर्मन तैराकी प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता।

घ. निरंजन की कामयाबी में क्रिस्टोफ़र की भूमिका बताइए।

उ. क्रिस्टोफ़र ने जब पहली बार निरंजन को तैरते हुए देखा तो उनके माता-पिता को सुझाव दिया कि वे उसे पेशेवर तैराकी का प्रशिक्षण दिलाएँ। उन्होंने ही उसे पेशेवर तैराकी का प्रशिक्षण दिया। उनके मार्गदर्शन से ही निरंजन कामयाब तैराक बन सका।

3. **सोचिए (गहन चिंतन, मूल्यपरक प्रश्न)**

❖ क्या केवल डॉक्टरी इलाज से ही निरंजन ठीक हो पाए या उनकी सफलता में अन्य कारकों का भी योगदान था? सोचकर बताइए या लिखिए।

उ. मरीज को डॉक्टरी इलाज के साथ संवेदना, अपनापन देखभाल की आवश्यकता होती है। निरंजन के लिए उनके माता-पिता का साथ होना वरदान साबित हुआ। माता-पिता उनकी सेहतयाबी के लिए सदा प्रयत्नशील रहे। उनके ठीक होने में डॉक्टरी इलाज के साथ उनकी खुद की मेहनत,धैर्य और जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण जैसे कारकों का विशेष योगदान रहा।

लिखिए

1. **गद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर छाँटिए और लिखिए—**

निरंजन जन्म से ही .... सर्जरी हुई थी।

क. निरंजन की बीमारी का क्या नाम था? — ii. स्पाइना बिफ़िडा ✓

ख. उनकी पहली सर्जरी कब हुई? — i. छह महीने की उम्र में ✓

ग. कुदरत ने निरंजन के किस अंग को बख्श दिया था? — iii. दिमाग को ✓

घ. निरंजन की बीमारी से उसे क्या परेशानी होती थी?

उ. निरंजन की बीमारी में रीढ़ की हड्डी का समुचित विकास नहीं हो पाता। इससे उनको शारीरिक अपंगता का सामना करना पड़ता था।

ङ शिशु को कहाँ होना चाहिए था? उसे कहाँ ले जाया गया?

उ. जिस आयु में एक शिशु को उसके माता-पिता गोद से उतारकर नरम बिस्तर पर होना चाहिए था, उस आयु में निरंजन अस्पताल के ऑपरेशन कक्ष में ले जाए गए।

2. **संक्षेप में उत्तर लिखिए—**

क. डॉक्टरों ने जाँच के दौरान क्या पाया?

उ. डॉक्टरों ने जाँच के दौरान पाया कि निरंजन की रीढ़ की हड्डी के नीचे एक छोटी गाँठ है, जिससे लगातार पानी रिस रहा है।

Scanned with OKEN Scanner

ख. पैरों को मज़बूत करने के लिए डॉक्टरों ने क्या किया?

उ. निरंजन के दोनों पैरों को मज़बूती देने के लिए डॉक्टरों ने उनमें 32 रॉड डाले और पिता मुकुंदन आर को सलाह दी कि वे बेटे से घुड़सवारी या तैराकी कराएँ। एक्वा थैरेपी से भी पैरों को मज़बूती मिलती है।

ग. निरंजन की तैराकी में पहली बड़ी सफलता क्या थी?

उ. अपने जीवन की पहली ही राष्ट्रीय तैराकी प्रतियोगिता में रजत पदक प्राप्त करना निरंजन की तैराकी में पहली बड़ी सफलता थी।

घ. 'स्पाइना बिफ़िडा' क्या है? इसका निरंजन पर क्या प्रभाव पड़ा?

उ. 'स्पाइना बिफ़िडा' रीढ़ की हड्डी की एक बीमारी है। इस बीमारी में बच्चे की रीढ़ की हड्डी का समुचित विकास नहीं हो पाता, जिससे वह मानसिक या शारीरिक तौर पर अपंग हो जाता है। इससे निरंजन को शारीरिक अपंगता का सामना करना पड़ा।

3. **विस्तार से उत्तर लिखिए—**

क. निरंजन के परिवार ने किस तरह उनका समर्थन किया?

उ. मशहूर तैराकी कोच जॉन क्रिस्टोफ़र निरंजन की तैराकी देख प्रसन्न हुए। उन्होंने निरंजन के माता-पिता को सुझाव दिया कि वे अपने बेटे को पेशेवर प्रशिक्षण दिलाएँ। माता-पिता भी यह चाहते थे कि उनका बेटा किसी 'एहसास-ए-कमतरी' का शिकार न रहे, मगर तैराकी में करियर बनाने की सलाह पर वे थोड़े ऊहापोह में थे। काफ़ी सोचने-विचारने के बाद और बेटे की खुशी को देखते हुए उन्होंने इसके लिए हामी भर दी।

ख. निरंजन की तैराकी में दिलचस्पी कैसे शुरू हुई?

उ. डॉक्टरों ने निरंजन के माता-पिता को सुझाव दिया कि निरंजन को तैराकी करवाएँ। इससे उनकी माँसपेशियों को मज़बूती मिलेगी। उन्होंने अपनी माँ लक्ष्मी से कहा कि वे उन्हें तैराकी में ही डालें। साल 2003 में बेंगलुरु के जयनगर स्थित 'पीएम स्वीमिंग सेंटर' में निरंजन पहली बार पानी में उतरे। पानी में असीम आज़ादी का एहसास हुआ। ज़मीन पर चलने के लिए तो वह किसी न किसी सहारे के मोहताज थे, पर यहाँ वह बिना किसी मदद के इस पार से उस पार पहुँच सकते थे। प्रशिक्षक उन्हें कुछ उथले पानी वाली जगह पर उतारते, मगर निरंजन गहराई की जानिब बढ़ते चले जाते। इस प्रकार उनकी तैराकी में दिलचस्पी शुरू हुई।

ग. वर्ष 2012 में क्या हुआ कि उनका आत्मविश्वास बढ़ा?

उ. साल 2012 में उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला। बर्लिन में आईडीएम जर्मन तैराकी प्रतियोगिता में उन्होंने 200 मीटर फ्री स्टाइल प्रतिस्पर्धा में कांस्य पदक जीता। इस पदक को पाकर उनका आत्मविश्वास बढ़ा।

घ. निरंजन को कौन-कौन से अवॉर्ड मिले?

उ. निरंजन को कई अवॉर्ड मिले। इनमें राष्ट्रीय प्रतियोगिता में रजत पदक, आइडीएम जर्मन तैराकी प्रतियोगिता में कांस्य पदक, सन 2014-2016 के आईडब्ल्यूएएस जूनियर वर्ल्ड गेम्स में 16 पदक, राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धाओं में लगभग 100 पदक, सर्वश्रेष्ठ पैरा-खिलाड़ी का राष्ट्रीय सम्मान, कर्नाटक सरकार की ओर से एकलव्य अवॉर्ड प्रमुख हैं।

आशय स्पष्ट कीजिए—

क. मगर निरंजन गहराई की जानिब बढ़ते चले गए।

उ. अपनी बीमारी की वजह से निरंजन ज़मीन पर बिना सहारे के नहीं चल सकते थे। डॉक्टरों के कहने पर वे तैराकी करने लगे। शुरुआती दौर में प्रशिक्षक उन्हें उथले पानी में तैराकी करवाते थे, लेकिन निरंजन गहरे पानी की ओर जाते थे। मानो वे पानी की गहराई को मापकर आना चाहते हों।

ख. यह जिंदगी हुलसकर जीने का नाम है।

उ. निरंजन ने अपनी कामयाबियों से दुनिया को बता दिया कि यदि मन में ठान लिया जाए तो कमियाँ भी हमें नहीं रोक सकतीं। कुछ तकलीफ़ों और शिकायतों से हमें जीवन जीने की आस नहीं छोड़नी चाहिए। प्रसन्नतापूर्वक और उल्लास से जीवन बिताने वाले लोग मिसाल कायम करते हैं। वास्तव में वही लोग वास्तविक जीवन जीते हैं जो हर परिस्थिति में प्रसन्न रहते हैं।

Scanned with OKEN Scanner

5 वह देश कौन-सा है

पाठ-योजना

कविता का नाम	वह देश कौन-सा है
कालांश संख्या	4 से 6
शिक्षण प्रक्रिया	Student Led
कविता का उद्देश्य	• देश के प्राकृतिक सौंदर्य, उत्कृष्ट वैभव, संस्कृति और परंपराओं से अवगत कराना। • त्याग, समर्पण, कर्तव्यपरायणता, निस्वार्थ प्रेम और देश प्रेम की भावना जाग्रत करना। • प्राकृतिक और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए प्रेरित करना • कविता का हाव-भाव और लययुक्त वाचन सिखाना। • कठिन शब्दों का शुद्ध उच्चारण और अर्थ बताना • उपसर्ग/प्रत्यय का परिचय देकर अभ्यास कराना • अनुस्वार-अनुनासिक का उच्चारण बताना • विविध गतिविधियों द्वारा सृजनात्मक क्षमता का विकास करना।
कविता में आनेवाले विषय	समानार्थी शब्द, उपसर्ग-प्रत्यय, अनुस्वार-अनुनासिक, विशेषण, चित्र सहित चार्ट निर्माण, गीत गायन, अनुच्छेद-लेखन, संवाद-लेखन, पत्र-लेखन।
शिक्षण सामग्री	Smart Board and Animation, टेस्ट जेनरेटर, पाठ्यपुस्तक, Websupport (Worksheets), कॉपियाँ, पेंसिल, आदि।
मानक/अमानक शब्द	निरंतर/निरन्तर, कंद/कन्द, अनंत/अनन्त, शुद्ध/शुद्ध, सुगंध/सुगन्ध, सुंदर/सुन्दर, आनंद/आनन्द
आरंभ— चर्चा एवं समूह वाचन, कौशल—पठन, वाचन-श्रवण	• बच्चों से कविता के शीर्षक और चित्र पर चर्चा करवाएँ—कविता का शीर्षक क्या बता रहा है? कविता में किस देश की बात की जा रही होगी? चित्र में क्या दिखाया गया है? आदि। • बच्चों को देश से संबंधित कोई अन्य कविता सुनाने के लिए कहें। • भारत देश की विविधता एवं संस्कृति के विषय में बताते हुए कविता का मूल भाव और सरलार्थ बताएँ। • Smart Board पर कविता का एनिमेशन दिखाएँ और वाचन सुनवाएँ। • कक्षा को छोटे-छोटे समूहों में बाँटें तथा लययुक्त वाचन करवाएँ। • वाचन के समय कठिन प्रतीत होने वाले शब्दों के उच्चारण, अर्थ एवं विशिष्ट प्रयोग से छात्रों को अवगत कराएँ।
मध्य कौशल— लेखन, वाचन	• माइंड मैप द्वारा कविता की पुनरावृत्ति करवाएँ। • 'पढ़िए' शीर्षक के अंतर्गत दिए गए शब्दों का उच्चारण करवाएँ। श्रुतलेख भी करवा सकते हैं। बच्चे एक-दूसरे के लिखे गए शब्दों की वर्तनी जाँचें। • 'बताइए' और 'सोचिए' के अंतर्गत दिए गए प्रश्नों पर कक्षा में चर्चा करें। बच्चे मौखिक रूप से उत्तर दें। • 'लिखिए' शीर्षक के अंतर्गत आए प्रश्न 1, 2 तथा 'व्याकरण संबोध' के अंतर्गत आए प्रश्नों के हल पुस्तक में ही करवाएँ। • विषय संवर्धन गतिविधियों के अंतर्गत छात्रों के समूह बनवाइए। प्रत्येक समूह अपनी इच्छानुसार गतिविधि का चुनाव करे और कक्षा में प्रस्तुत करे। • 'क्या होता यदि' शीर्षक के अंतर्गत दी गई स्थिति पर सामूहिक चर्चा करवाएँ और मुख्य बिंदुओं को कॉपी में नोट करने को कहें।

Scanned with OKEN Scanner

अभ्यास

पढ़िए

1. **मानक वर्तनी एवं वाचन (उच्चारण)**

दिए गए शब्दों की शुद्ध वर्तनी कक्षा में बोर्ड पर लिखवाएँ या कॉपी में लिखने को कहें। शब्दों का कक्षा में शुद्ध उच्चारण करवाएँ।

2. **बताइए**

क. इस कविता में किस देश की बात की जा रही है?

उ. इस कविता में भारत की बात की जा रही है।

ख. भारत के उत्तर और दक्षिण में क्या स्थित है?

उ. भारत के उत्तर में हिमालय और दक्षिण में सागर स्थित है।

ग. भारत के सेवक कौन हैं और कितने हैं?

उ. भारत के चालीस करोड़ नागरिक इसके सेवक हैं। (कविता लिखते वक्त भारत की जनसंख्या इतनी ही थी।)

3. **सोचिए (मूल्यपरक प्रश्न)**

❖ क्या हम अपनी नदियों को आज 'सुधा की धारा' कह सकते हैं? विचार कीजिए। नदियों में सुधा की धारा बहती रहे, इसके लिए हमारा क्या प्रयास होना चाहिए?

उ. आज हम अपनी नदियों को 'सुधा की धारा' नहीं कह सकते हैं क्योंकि आज ये नदियाँ अपने अस्तित्व के संकट से जूझ रही हैं। मनुष्य के स्वार्थ ने इन नदियों को प्रदूषित कर दिया है। आज ये नदियाँ मानवजनित मैला ढो रही हैं। इन नदियों में सुधा की धारा बहती रहे, इसके लिए हमें निम्नलिखित प्रयास करने होंगे—

- नदियों का प्रवाह अविरल रहे, ऐसा प्रयास करना होगा।
- नदियों को गंदगी से मुक्त करना होगा।
- सरकारी प्रयास ही काफ़ी नहीं होंगे, जनजागृति से ही नदियों को जीवनदान दिया जा सकता है।
- नदियाँ किसी सरकार/राज्य या समुदाय की नहीं हैं बल्कि समूची मानवजाति की हैं, इस भाव को जगाना होगा।
- नदियों के किनारे बसे हुए नगरों को अपने कर्तव्यों को ईमानदारी से निभाना होगा। (छात्र अपने विवेक के आधार पर आगे लिखें)

लिखिए

1. **सही विकल्प पर ✓ का निशान लगाइए—**

क. भारत के बारे में कौन-सी बात सही नहीं है— iv. लोग अशिक्षित हैं। ✓

ख. 'सुधा की धारा' का आशय है— ii. अमृत की धार ✓

2. **पद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए—**

छोड़ा राज्य .... कौन-सा है?

क. स्वराज्य से आप क्या समझते हैं? i. अपना शासन ✓

ख. राम ने अपना राज्य क्यों छोड़ दिया? iii. पिता के आदेश से ✓

ग. लक्ष्मण और भरत को कैसे भाई कहा गया है? i. निस्स्वार्थ भाई ✓

घ. राज्य को 'तृणवत' क्यों कहा गया है?

उ. तृणवत का अर्थ है—तिनके के समान अर्थात तुच्छ। राम को अपने पिता की आज्ञा के आगे अपना राज्य तुच्छ लगा। इसलिए इसे तृणवत कहा गया है।

Scanned with OKEN Scanner

ङ. लक्ष्मण-भरत को निस्स्वार्थ भाई क्यों कहा गया है?
उ. लक्ष्मण-भरत को निस्स्वार्थ भाई इसलिए कहा गया है क्योंकि उन्होंने स्वार्थ रहित होकर भाई के लिए अपने सुखों को भी छोड़ दिया।

3. **संक्षेप में उत्तर लिखिए—**

क. देश के खाद्य पदार्थों के बारे में क्या कहा गया है?
उ. देश की धरती में रसीले फल, कंद, अनाज, मेवे पैदा होते हैं। यहाँ की धरती उर्वर और उपजाऊ है।
ख. 'रत्नेश चरण धो रहा है' से कवि का क्या आशय है?
उ. भारत के दक्षिण भाग के चारों ओर फैला समुद्र ऐसा लगता है मानो देश के चरण धो रहा है।
ग. भारत की सेवा करनेवाले कौन लोग हैं?
उ. भारत की सेवा करोड़ों देशवासी करते हैं।

4. **विस्तार से उत्तर लिखिए—**

क. कविता के आधार पर भारत के प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन कीजिए।
उ. भारत देश का सौंदर्य अतुलित है। हिमालय इसके उत्तर में मुकुट के समान सुशोभित है। दक्षिण में स्थित सागर इसके पैरों को धोता प्रतीत होता है। नदियाँ अपने जल रूपी अमृत से इस देश की धरती को सींचती हैं। धरती हमें अन्न, फल और मेवे सभी कुछ देती है। हरे-भरे मैदान और पर्वत सभी के आकर्षण का केंद्र हैं।
ख. जिसके अनंत धन से धरती भरी पड़ी है—कवि के इस कथन से आप कहाँ तक सहमत हैं?
उ. कवि यहाँ पर यह कहना चाहता है कि यह धरती प्राकृतिक संपदा और पूर्वजों द्वारा संचित धन से संपन्न है। यही कारण है कि किसी समय में यह देश सोने की चिड़िया कहा जाता था। मैं इस कथन से पूरी तरह सहमत हूँ।
ग. यहाँ की शैक्षिक स्थिति के बारे में कवि ने क्या लिखा है?
उ. भारत ने पूरे विश्व को अपने ज्ञान से आलोकित किया था। हमारा देश संसार का गुरु रहा है। शिक्षा के प्रचार-प्रसार का अखिल विश्व का केंद्र था। यहाँ अनेक देशों से शिक्षार्थी शिक्षा प्राप्त करने आया करते थे। यह देश विश्व की प्रमुख संस्कृतियों का मिलन केंद्र था।
घ. भारत की कोई दो विशेषताएँ लिखिए जिनपर देशवासियों को गर्व है।
उ. i. भारत देश आज भी शिक्षा और संस्कृति के प्रचार-प्रसार में अग्रणी है।
ii. यहाँ विविध भाषा-भाषी, अनेक धर्मों के माननेवाले लोग मिल-जुलकर रहते हैं।

भाव स्पष्ट कीजिए—

क. पृथ्वी निवासियों को जिसने प्रथम जगाया।
उ. भारत देश ने ही सबसे पहले अखिल विश्व को ज्ञान के प्रकाश से प्रकाशित किया था। अतः यह देश अखिल विश्व के लिए प्रकाश स्तंभ के समान है।
उ. चालीस कोटि भाई सेवक सपूत जिसके।
ख. इस देश के सभी चालीस करोड़ नागरिक (तत्कालीन) प्रेमपूर्वक रहते हैं और देश की सेवा करते हैं।

समझिए व्याकरण संबोध

1. **समानार्थी शब्द लिखिए—**

रत्नेश	—	रत्नाकर/समुद्र	सुधा	—	अमृत	पृथ्वी	—	धरा
प्रसून	—	पुष्प	गिरि	—	पर्वत	नदी	—	सरिता

Scanned with OKEN Scanner

5 शब्द-मंजूषा
Vocabulary

क. पर्यायवाची शब्द Synonyms

समान अर्थ रखने वाले शब्दों को पर्यायवाची कहा जाता है। पर्यायवाची शब्दों में समानता नज़र आती है, परंतु अर्थ-भेद होता है। अनेक प्रयोगों से यह जाना जा सकता है; जैसे— जल, नीर, वारि आदि पानी के पर्याय हैं लेकिन गंगा के पानी के लिए जल शब्द का प्रयोग होता है— गंगाजल। इसे हम गंगापानी नहीं कहते। प्रकार गंदे पानी के लिए जल शब्द का प्रयोग अशुद्ध होगा। नीचे विभिन्न वर्गों के अंतर्गत पर्यायवाची दि रहे हैं। पर्यायवाची शब्दों को प्रतिशब्द या समानार्थी शब्द भी कहा जाता है।

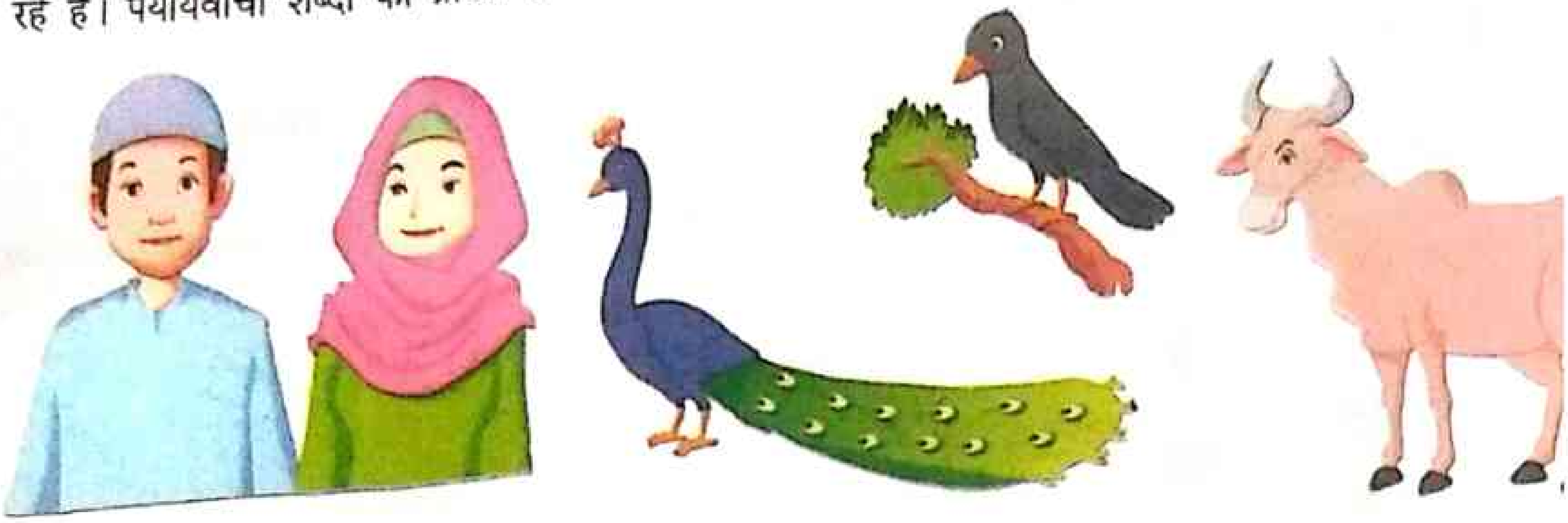

i. रिश्ते-नाते संबंधी शब्दों के पर्यायवाची

1. पिता — जनक, अब्बा, जन्मदाता
2. माता — माँ, जननी, अंबा, अम्मी
3. पुत्र — बेटा, सुत, तनय
4. पुत्री — बेटी, सुता, तनया
5. बालक — बच्चा, शिशु, लड़का
6. मनुष्य — मानव, नर, मनुज
7. मित्र — दोस्त, सखा, सहचर
8. बहू — पुत्रवधू, पतोहू, वधू
9. संबंध — नाता, रिश्ता, ताल्लुकात
10. बहन — भगिनी, सहोदरा, बहिन

ii. पशु-पक्षी संबंधी शब्दों के पर्यायवाची

1. पशु — जानवर, ढोर, मवेशी
2. पक्षी — खग, विहग, पखेरू
3. मोर — मयूर, केकी, नीलकंठ
4. बैल — वृषभ, वृष, नंदी
5. गरुड़ — खगराज, खगेंद्र, खगेश
6. घोड़ा — अश्व, तुरंग, घोटक
7. कोयल — पिक, कोकिला, श्यामा
8. कबूतर — कपोत, पारावत, परेवा
9. हाथी — नाग, कुंजर, हस्ती
10. साँप — व्याल, भुजंग, विषधर

Scanned with OKEN Scanner

ख. विलोम शब्द Antonyms

किसी शब्द का विपरीत या उलटा अर्थ बताने वाले शब्द को विलोम या विपरीतार्थक शब्द कहते हैं। एक जैसे अर्थ देने वाले शब्दों के बीच अंतर समझने के लिए यहाँ उनके विलोम दिए जा रहे हैं। किसी शब्द का विलोम करते हुए ध्यान दें कि यदि शब्द तत्सम है तो विलोम भी तत्सम ही होगा; जैसे— 'कुरूप' का 'खूबसूरत' अर्थ तो ठीक हो सकता है, परंतु कुरूप का विलोम सुरूप और खूबसूरत का बदसूरत होगा।

जड़-चेतन	मृत्यु-जन्म	मरना-जीना
खरा-खोटा	अच्छा-बुरा	गुण-दोष
हिंसा-अहिंसा	मारना-बचाना	आक्रमण-रक्षा
शुरू-खत्म	आदि-अंत	आरंभ-समाप्त
अनुज-अग्रज	छोटा-बड़ा	लघु-दीर्घ
खूबसूरत-बदसूरत	सुरूप-कुरूप	सुंदर-असुंदर
अंधकार-प्रकाश	अँधेरा-उजाला	रात-दिन
क्रय-विक्रय	सुख-दुख	ऐश्वर्य-दरिद्रता
मित्र-शत्रु	दोस्त-दुश्मन	अपना-पराया
महात्मा-दुरात्मा	संन्यासी-गृहस्थ	आम-खास
उच्च-निम्न	ऊँचा-नीचा	ऊँचाई-गहराई
कम-ज़्यादा	अल्प-अधिक	थोड़ा-बहुत
अमीरी-गरीबी	राजा-रंक	मालिक-नौकर
आदर-निरादर	सम्मान-अपमान	सत्कार-तिरस्कार
बंद-खुला	बंधन-मुक्ति	बाँधना-खोलना
बदतर-बेहतर	बदनामी-नेकनामी	बददुआ-दुआ
बहादुर-डरपोक	वीर-कायर	शक्तिशाली-शक्तिहीन
आकाश-पाताल	व्योम-धरा	आसमान-धरती
रोगी-निरोगी/वैद्य	अस्वस्थ-स्वस्थ	सेहतमंद-बीमार
नवीन-प्राचीन	नया-पुराना	आधुनिक-पुरातन

Scanned with OKEN Scanner

घ. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द One Word Substitution

कई शब्द अपने में विस्तृत अर्थ समेटे होते हैं। शब्द नज़र तो एक आता है, परंतु उसमें अनेक शब्द समाए होते हैं; जैसे— नभ में विचरण करने वाले के लिए हम 'नभचर' शब्द का प्रयोग करते हैं। इसे ही वाक्यांशों के लिए एक शब्द या अनेक शब्दों के लिए एक शब्द कहा जाता है। हिंदी में अनेक शब्दों के लिए जो एक शब्द का प्रयोग होता है, वह प्राय: संस्कृत से लिया जाता है। संस्कृत के ये शब्द हिंदी में प्रचलित हो गए हैं। कुछ ऐसे ही शब्दों को नीचे दिया जा रहा है—

1. जो कभी बूढ़ा न हो — अजर
2. जिसका आरंभ न हो — अनादि
3. जिसका अंत न हो — अनंत
4. जो कभी न मरे — अमर
5. जहाँ पहुँचा न जा सके — अगम
6. जिसका पार न हो — अपार
7. जो जीता न जा सके — अजेय
8. जो दिखाई न दे — अदृश्य
9. जिसकी उपमा न दी जा सके — अनुपम
10. जो अपने स्थान से न टले — अटल
11. साथ पढ़ने वाला — सहपाठी
12. जिसका कोई शत्रु न हो — अजातशत्रु
13. जिसकी तुलना न की जा सके — अतुलनीय
14. जो पहले पैदा हुआ हो — अग्रज
15. जो बाद में पैदा हुआ हो — अनुज
16. जो ईश्वर में विश्वास रखता हो — आस्तिक
17. भविष्य में होने वाला — भावी
18. जो उपकार को मानता हो — कृतज्ञ
19. जो उपकार को नहीं मानता — कृतघ्न
20. काम से जी चुराने वाला — कामचोर
21. तेज़ बुद्धि वाला — कुशाग्रबुद्धि
22. जानने की इच्छा करने वाला — जिज्ञासु
23. जल में रहने वाला जीव — जलचर
24. जिसने इंद्रियों को जीत लिया हो — जितेंद्रिय
25. जिसे समझना कठिन हो — दुर्बोध
26. जहाँ जाना कठिन हो — दुर्गम
27. दूर की बात सोचने वाला — दूरदर्शी
28. दिन में एक बार होने वाला — दैनिक
29. जिसे ईश्वर पर विश्वास न हो — नास्तिक
30. जो मांस न खाता हो — निरामिष
31. जिसे लज्जा न हो — निर्लज्ज
32. जिसका कोई आकार न हो — निराकार
33. जिसे कोई भय न हो — निर्भय
34. जिसके आर-पार देखा जा सके — पारदर्शी
35. जो देखने में अच्छा लगे — प्रियदर्शी
36. जो पहले हुआ था — भूतपूर्व
37. मर्म को जानने वाला — मर्मज्ञ
38. बहुत बोलने वाला — वाचाल
39. कई भाषाएँ बोलने वाला — बहुभाषी
40. जो बहुत रूप बनाए — बहुरूपिया
41. शाक-सब्ज़ी खाने वाला — शाकाहारी
42. हमेशा रहने वाला — शाश्वत
43. जो सब कुछ जानता हो — सर्वज्ञ
44. जो सब जगह मौजूद हो — सर्वव्यापी
45. सप्ताह में एक बार होने वाला — साप्ताहिक
46. वर्ष में एक बार होने वाला — वार्षिक
47. पंद्रह दिन में एक बार होने वाला — पाक्षिक
48. भविष्य में आने वाला — आगामी

कुछ मुहावरों के अर्थ एवं वाक्य प्रयोग

1. **खून के आँसू रोना** — बहुत व्यथित होना

   भूकंप के बाद की दुर्दशा देखकर मैं खून के आँसू रोने लगी। इतनी तबाही मैंने कभी नहीं देखी थी।

2. **गागर में सागर भरना** — थोड़े शब्दों में बहुत कुछ कह देना

   इस कविता में कवि ने गागर में सागर भर दिया है। दो पंक्तियों में इतना गहरा अर्थ है कि विश्वास ही नहीं होता।

3. **गरदन पर सवार होना** — पीछा ही न छोड़ना

   मैं उसकी गरदन पर सवार रहा तभी तो उसने मेरा काम पहले कर दिया, वरना यह कार्य तुम पाँच साल में भी नहीं करवा सकते थे।

4. **गिरगिट की तरह रंग बदलना** — सिद्धांतहीन होना

   आज के राजनीतिज्ञ गिरगिट की तरह रंग बदलने में माहिर हैं। उनका विश्वास नहीं किया जा सकता।

5. **गाँठ बाँधना** — अच्छी तरह याद रखना

   महात्मा गांधी की इस शिक्षा को गाँठ बाँध लो कि अहिंसा एक प्रचंड शस्त्र है। इसी से उन्होंने देश को आजाद करवाया था।

6. **गुदड़ी का लाल** — साधारण घर में जन्मा प्रतिभाशाली व्यक्ति

   ईश्वर चंद्र विद्यासागर तो गुदड़ी के लाल थे।

7. **गुड़-गोबर होना** — बात बिगड़ जाना

   हम सब पिकनिक पर जाने को तैयार थे कि चाचा जी ने आकर सारे कार्यक्रम का गुड़-गोबर कर दिया। वे हमें कहीं और ले जाना चाहते थे।

8. **गुड़ियों का खेल** — बहुत आसान काम

   तुम इस काम को गुड़ियों का खेल मत समझो, करते-करते नानी याद आ जाएगी।

9. **घड़ों पानी पड़ना** — बहुत लज्जित होना

   अपने फेल होने की सूचना पाकर सुरेश पर घड़ों पानी पड़ गया। वह किसी को अपनी शक्ल दिखाने के काबिल न रहा।

10. **घर में गंगा बहना** — सुविधा होना

    शिखा, तुम्हें ट्यूशन रखने की क्या ज़रूरत है। तुम्हारे तो घर में ही गंगा बह रही है क्योंकि तुम्हारी माता जी तो एम.ए. पास हैं।

11. **घाट-घाट का पानी पीना** — अनुभवी होना

    भेड़िया बोला— मंत्री जी को कम मत समझना। उन्होंने घाट-घाट का पानी पिया है, बचकर रहना।

Scanned with OKEN Scanner

4 शब्द और उनका वर्गीकरण

Words and their Classification

भाषा की मूल इकाई (Unit) ध्वनि है। ध्वनि का लिखित रूप वर्ण है और वर्णों/ध्वनियों का सार्थक समूह शब्द कहा जाता है। आपको नीचे क्या-क्या नज़र आ रहा है? ज़रा उच्चारण कीजिए—

म्+उ+र्+अ+ग्+आ = मुरगा   ब्+आ+ल्+अ+क्+अ = बालक   प्+ए+ड़्+अ = पेड़

सभी शब्द कुछ वर्णों (स्वर और व्यंजन) के सार्थक मेल से बने हैं। इनका उच्चारण करते ही हमारे दिमाग में चित्र उभरते हैं। इसके स्थान पर गारमु, कलबा, ड़पे कहा जाए तो कोई अर्थ या कोई चित्र हमारे दिमाग में नहीं आता। ये शब्द निरर्थक हैं (Meaningless) अर्थात कोई अर्थ नहीं रखते। दूसरे शब्दों में कहा जा सकता है—

ध्वनियों/वर्णों के सार्थक समूह को शब्द कहा जाता है।

शब्द-भेद

शब्दों का विभाजन (Division) चार आधारों पर किया जाता है—

1. स्रोत या उत्पत्ति (Origin) के आधार पर
2. रचना (Construction) के आधार पर
3. अर्थ (Meaning) के आधार पर
4. प्रयोग (Usage) के आधार पर

1. स्रोत या उत्पत्ति के आधार पर

उत्पत्ति यानी हिंदी भाषा में शब्दों का आगमन कहाँ से और किस भाषा से हुआ। हम जानते हैं कि समय-समय पर ऐतिहासिक कारणों (Historical reasons) से अनेक जातियों ने भारत पर राज किया, जिस कारण बहुत-से शब्द हिंदी में जुड़ते गए। उत्पत्ति के आधार पर शब्दों के पाँच भेद हैं—

Scanned with OKEN Scanner

क. तत्सम शब्द — संस्कृत से ज्यों के त्यों हिंदी में आए शब्दों को तत्सम कहते हैं; जैसे— अग्नि, कृषक, गर्दभ, वानर, पृथ्वी, पूर्व, अश्रु आदि।

ख. तद्भव शब्द — संस्कृत भाषा से विकसित हुए शब्द तद्भव कहलाते हैं; जैसे— आग, किसान, गधा, बंदर, धरती, पूरब, आँसू आदि।

कुछ तत्सम-तद्भव शब्दों की तालिका—

तत्सम	तद्भव	तत्सम	तद्भव	तत्सम	तद्भव
अग्नि	आग	अश्रु	आँसू	आम्र	आम
कच्छप	कछुआ	अंध	अंधा	अंगुली	उँगली
उष्ट्र	ऊँट	कूप	कुआँ	अर्ध	आधा
अष्ट	आठ	क्षेत्र	खेत	कर्ण	कान
कर्म	काम	दधि	दही	वानर	बंदर
शिर	सिर	कृषक	किसान	दंत	दाँत
पत्र	पत्ता	शत	सौ	गर्दभ	गधा
धूम्र	धुआँ	पितृ	पिता	मयूर	मोर
चंद्र	चाँद	गृह	घर	रात्रि	रात
सप्त	सात	छत्र	छाता	ग्राम	गाँव
लक्ष	लाख	स्वर्ण	सोना	तैल	तेल
घृत	घी	लौह	लोहा	विवाह	ब्याह
दुग्ध	दूध	पुच्छ	पूँछ	वधू	बहू

ग. देशज शब्द — प्रादेशिक भाषाओं से आए शब्द **देशज शब्द** कहलाते हैं। देश+ज अर्थात देश में ज जन्म लेने वाले शब्द। जन-सामान्य की भाषा ही देशज है; जैसे— खटिया, लोट लाठी, पगड़ी आदि।

घ. विदेशी शब्द — इन्हें आगत शब्द भी कहते हैं। आगत का अर्थ है— आए हुए। कहाँ से आए हुए- विदेशी भाषाओं से; जैसे—

- अरबी — फ़ायदा, फ़ौज, गैर, अक्ल, औरत, कसाई, अखबार
- फ़ारसी — अंगूर, खरगोश, मेहमान, कोशिश, अचार, अनार, जहर
- तुर्की — रुई, कुली, नाशपाती, बेगम, बाबा, दारोगा, चाकू, तोप
- पुर्तगाली — अनन्नास, अलमारी, प्याला, तंबाकू, बाल्टी
- अंग्रेज़ी — मास्टर, स्कूल, कोट, स्टेशन, फ़ीस, चॉक, क्लर्क, गैलन
- चीनी — दाम, सुरंग, चीनी, चाय, लीची
- फ्रेंच — कूपन, कारतूस , रेस्तराँ, सूप, मेयर

Scanned with OKEN Scanner

ङ. **मिश्रित अथवा संकर शब्द** — दो अलग-अलग भाषाओं से बने शब्दों को मिश्रित या संकर शब्द कहा जाता है; जैसे—

- संस्कृत-हिंदी से बने शब्द — माँगपत्र, जाँचकर्ता
- हिंदी और अरबी-फ़ारसी से बने शब्द— घड़ीसाज़, किताबघर
- हिंदी-संस्कृत और अंग्रेज़ी से बने शब्द— रेलगाड़ी, टिकटघर
- अरबी-फ़ारसी और अंग्रेज़ी से बने शब्द— पार्टीबाज़ी, अफ़सरशाही

2. रचना के आधार पर

शब्दों की रचना कैसे होती है— इसके उत्तर में शब्दों का विभाजन तीन प्रकार से किया जाता है—

क. रूढ़ (Traditional) ख. यौगिक (Derivative) ग. योगरूढ़ (Compound word)

क. रूढ़ शब्द— टुकड़े करने पर जिनका कोई अर्थ न निकले अर्थात् विशेष अर्थ देने वाले। रूढ़ शब्द कैसे बने होंगे? इसका उत्तर नहीं मिलता। ये चिर परंपरा (Tradition) से प्रयोग में आते रहे हैं; जैसे—

जल = ज + ल

पैसा = पै + सा

शेर = शे + र

जल, पैसा, शेर शब्दों के खंड (टुकड़े) कर देने के बाद कोई अर्थ प्राप्त नहीं होता। इसी प्रकार अन्य शब्द हैं— पुस्तक, कंबल, कलम, चूहा, तेल, बच्चा आदि।

ख. यौगिक शब्द— दो या दो से अधिक शब्दों या शब्दांशों के मेल से बने शब्द यौगिक कहलाते हैं। इन दोनों शब्दों के अलग-अलग अर्थ होते हैं; जैसे—

- बैलगाड़ी — बैल (पशु) + गाड़ी (वाहन)
- पुस्तकालय — पुस्तक (किताब) + आलय (घर)
- पाठशाला — पाठ (पढ़ना) + शाला (घर)

बैलगाड़ी, पुस्तकालय और पाठशाला में दो-दो शब्द हैं और दोनों सार्थक हैं तथा इनसे बने शब्द का भी वही अर्थ है जो अलग-अलग शब्द का है, इसलिए इन्हें **यौगिक** कहा जाता है। अन्य शब्द हैं— देवानंद, विद्यालय, सम्मानपूर्वक आदि।

ग. योगरूढ़ शब्द— जो शब्द यौगिक होते हुए भी किसी सामान्य अर्थ को प्रकट न करके रूढ़ शब्दों के समान किसी विशेष अर्थ को प्रकट करते हैं, उन्हें **योगरूढ़** कहते हैं; जैसे—

जल (पानी) + ज (पैदा होने वाला)

जल में अनेक जीव-जंतु-वस्तुएँ पैदा होती हैं, परंतु जलज शब्द कमल के फूल के लिए रूढ़ हो गया है।

Scanned with OKEN Scanner

इसी प्रकार— लंबोदर — लंबा + उदर (बड़े पेट वाला) यानी गणेश

गिरिधर — गिरि (पर्वत) + धर (धारण करने वाला) यानी कृष्ण

अन्य शब्द — दशानन, मुरलीधर, महाराष्ट्र आदि।

3. अर्थ के आधार पर

क. पर्यायवाची शब्द
ख. विलोम शब्द
ग. अनेकार्थी शब्द
घ. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द
ङ. ध्वनिबोधक शब्द
च. समूहवाची शब्द
छ. पुनरुक्त शब्द

इनका वर्णन विस्तार से अगले पाठों में किया गया है।

4. प्रयोग के आधार पर

क. **विकारी शब्द—** वे शब्द जिनमें लिंग, वचन, कारक, काल आदि के अनुसार विकार/परिवर्तन आ जाता है। जैसे— संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया— ये सभी विकारी शब्द हैं।

i. **संज्ञा** — बच्चा, बच्चे ने, बच्चों के लिए
ii. **सर्वनाम** — वे, उनका, उन्हें
iii. **विशेषण** — काला, काले, काली
iv. **क्रिया** — जा, गए, जाएगा, जाओ

ख. **अविकारी शब्द—** वे शब्द जिनमें कोई परिवर्तन नहीं होता, उन्हें अविकारी शब्द कहा जाता है। क्रियाविशेषण, संबंधबोधक, समुच्चयबोधक और विस्मयादिबोधक को अविकारी कहा जाता है।

क्रियाविशेषण — तेज़, धीरे, सहज, शीघ्रता, नहीं, मत

समुच्चयबोधक — क्योंकि, किंतु, और, या, परंतु, बल्कि

संबंधबोधक — के आगे, के पीछे, से ऊपर, से नीचे, के लिए, की तरफ़

विस्मयादिबोधक — अरे, ओह, छिः, वाह

(इन सबका विवेचन अगले अध्यायों में किया जाएगा।)

COMPETENCY BASED ACTIVITY

Comparative Analysis

हिंदी भाषा में प्रचलित आगत शब्दों का 'शब्दकोश' तैयार करें। उनका इतिहास जानें और हिंदी-संस्कृत-अंग्रेज़ी-फ्रेंच अध्यापकों से उनके मूल शब्द जानने का प्रयास करें; जैसे—रुई तुर्की शब्द है और इसे हिंदी में कपास कहा जाता है।

google search-http//blogs.transparent.com/hindi

Scanned with OKEN Scanner

अभ्यास

वर्णनात्मक प्रश्न (Descriptive Questions)

1. दिए गए शब्दों को उनके भेद के अनुसार छाँटकर तालिका में भरिए— *(Understanding, Applying)*

प्रयोग, लकड़ी, फैक्ट्रियाँ, कस्बा, मुद्रा, कंपनी, मशहूर, टुकड़ा,
नक्काशी, प्रांत, चित्र, आँसू, इकट्ठा, काम, रात, मतवाला

तत्सम	तद्भव	विदेशी	देशज
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....

2. रूढ़, यौगिक और योगरूढ़ शब्दों को छाँटकर तालिका में भरिए— *(Understanding, Applying)*

आँचल, विद्यार्थी, मित्रता, हीरा, मकान, नाटककार, चौराहा, फुटबॉल,
गणित, गजानन, दशानन, नीलकंठ, मोहल्ला, तिरंगा, साहब

रूढ़	यौगिक	योगरूढ़
....	....	....
....	....	....
....	....	....
....	....	....
....	....	....

3. शब्दों का रूप बदलकर लिखिए— *(Applying)*

तत्सम		तद्भव	तद्भव		तत्सम
घृत	—	..........घी..........	कुआँ	—	..........कूप..........
शिर	—	....	खेत	—	....
मयूर	—	....	घर	—	....
ग्राम	—	....	सोना	—	....
शत	—	....	लोहा	—	....
सप्त	—	....	चाँद	—	....

Scanned with OKEN Scanner